(c) the number of animals died due to the diseases during the last one year; and

(d) the action taken by Government to ensure proper medical treatment and health care of the suffering animals and for professional management of zoos where it is lacking?

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (PROF. SAIFUDDIN SOZ): (a) and (b) Zoo animals can not be screened for various diseases without being tranquillized which involves serious risk. Therefore, the zoo animals invariably are treated when the symptoms of any disease are clearly manifested. The post-mortem report and the treatment register of the zoo indicate that the common diseases from which animals suffers are respiratory diseases including tuberculosis, pleurisy and pneumonia, hepatitis, gastroenteritis, septicaemia etc.

(c) According to the report received in Central Zoo Authority, animals that have died during the year 1995-96 are 1131.

(d) Following steps are taken to ensure proper medical treatment and health care of animals and for professional management of zoos.

(i) Financial assistance has been provided for upgradation of the health care facilities and hygenic supply of water and food to the zoo animals.

(ii) The State Government have been requested to appoint wholetime veterinary officers in major zoos of the country.

(iii) A Nine months diploma course has been organised with the help of Indian Vertcrinary Research Institute, Izzatnagar, for the wildlife zoo veterinarians.

(iv) Experienced zoo veterianarian are sent for a capsule course on breeding and conservation of endangered species at Jersey Wildlife Preservation Trust, U.K.

(v) 3 days workshop was organised at Izzatnagar to provide zoo veterinarians an exposure to modern methods of disease diagnosis.

(vi) Training courses for zoo keepers, zoo supervisors and zoo

उत्तर प्रदेश में पक्षी विहार

770. **श्री रामगोपाल यादव:** क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि उत्तर प्रदेश में कुल कितने पक्षी विहार हैं और प्रत्येक पक्षी विहार में कौन-कौन से किस्म के पक्षी हैं तथा उनके संरक्षण के लिए किए जाने वाले उपायों का ब्यौरा क्या है?

पर्यावरण और वन मंत्री (प्रो॰ सैफुद्दीन सोज़): उत्तर प्रदेश में कुल 12 पक्षी अभयारण्य है जिनके नामः— उन्नाव में नवाबगंज, रायबरेली में समसपुर, फरूखाबाद में लाख-बहोसी, गाजियाबाद में ओखला, बस्ती में बखीरा ताल, हरदोई में सन्दी, गोंडा में पार्वती आरंगा, इटावा में पटना, मैनपुरी में समन, हमीरपुर में विजय सागर, आगरा में सुरसरोवर और बलिया जिले में सुरहाताल।

इन पक्षी अभ्यारण्यों में रहने वाली मुख्य प्रजातियों में शामिल हैं:— लक्लक्, बुज्जा, डॉटरस, जलकाग, सारस, पिनताइलस, तिदभी, जलसिंह, पोचार्ड्स, चैती, ब्राहिमनी बतखें, बार-हैडिड गीत, गिद्ध, चीलें, गरूड़ आदि।

इन पक्षी अभाराण्यों के संरक्षण के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं:—

1. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1992 के तहत इन पक्षियों और उनके वास स्थलों को पूरी कानूनी सुरक्षा दी गई है।

2. अवैध रूप से शिकार और उनके वास-स्थलों के विनाश पर नियंत्रण करने के लिए सुरक्षा उपाय किए गए हैं?

3. भूमि और जलीय वनस्पति के प्रबंधन के माध्यम से वास-स्थलों का प्रबंध किया गया है।

4. आवासी और प्रवासी पक्षियों को उचित वास-स्थल उपलब्ध कराने के लिए जल के स्तर को नियमित और बनाए रखा जाता है।